कितना बड़ा दिखेगा मंगल?

पिछले दिनों मीडिया में (एक बार फिर) यह खबर ज़ोर-शोर से आई की 27 अगस्त को मंगल पृथ्वी के बहुत पास होगा और वह चांद के बराबर दिखेगा। यही समाचार 2003 में भी इतनी ही शिद्दत से चैनलों पर छाया रहा था। न तो 2003 में मंगल चांद के बराबर दिखा था और न इस बार दिखने वाला है। और इस बात को समझने के लिए आपको महान खगोल शास्त्री होने की ज़रूरत नहीं है।

यह तो सही है कि मंगल और पृथ्वी के बीच की दूरी बदलती रहती है। वास्तव में 27 अगस्त 2003 के दिन मंगल पृथ्वी के नज़दीक आया था। उस दिन मंगल और पृथ्वी के बीच की दूरी 5 करोड़ 57 लाख किलोमीटर थी। इसके बावजूद (यदि आपको याद हो, तो) वह चांद के बराबर तो नहीं ही दिखा था। बल्कि वह लगभग उतना ही बड़ा दिखा था जितना हर समय दिखता है।

यह तो 27 अगस्त 2003 की बात थी। इस 27 अगस्त के दिन मंगल पृथ्वी के पास भी नहीं होने वाला है। इस वर्ष यह संयोग दिसंबर में होगा। और उस दिन मंगल हमसे 8 करोड़ 84 लाख किलोमीटर दूर होगा। वैसे हर दो साल में एक बार पृथ्वी और मंगल एक-दूसरे के पास आते हैं मगर वे कितने पास आएंगे यह हर साल अलग-अलग होता है।

अब ज़रा मंगल की साइज़ पर गौर करें। मंगल का व्यास लगभग 6780 किलोमीटर है। और यह हमसे 5.5 करोड़ से लेकर 40 करोड़ किलोमीटर की दूरी पर हो सकता है। इसकी तुलना में चांद का व्यास 3475 किलोमीटर है और इसकी पृथ्वी से दूरी औसतन 3 लाख 82 हज़ार किलोमीटर है। यानी मंगल हमारे चांद से करीब दुगना बड़ा है और सबसे नज़दीक हो, तो भी करीब 140 गुना ज़्यादा दूरी पर है।

आसान-सी गणना बताती है कि मंगल की साइज़ हमारे चांद से दुगनी है। तो चांद के बराबर दिखने के लिए उसे पृथ्वी से चांद के मुकाबले दुगनी दूरी पर (यानी 7 लाख 66 हज़ार किलोमीटर दूर) होना पड़ेगा। 27 अगस्त 2010 के दिन मंगल की वास्तविक दूरी (8 करोड़ 80 लाख किलोमीटर) इससे 113 गुना ज़्यादा होगी। आप सोच ही सकते हैं कि ये दो आकाशीय पिण्ड किस अनुपात में नज़र आएंगे।

वास्तव में अगस्त के महीने में मंगल को देखना भी मुश्किल होने वाला है क्योंकि वह शाम के समय लगभग क्षितिज पर होगा और शाम के धुंधलके में शायद न दिखाई दे। यदि आप देखना चाहें को पहले शुक्र को ढूंढ लें, मंगल उसके आसपास ही होगा। ***(स्रोत फीचर्स)***